जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 31 संख्याः 93 प्रभात अजमेर, मंगलवार, 4 नवम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सभी राजनीतिक ग्रुपों ने अपने-अपने महारथी प्रचारक चुनाव प्रचार में झोंक दिए

प्रधानमंत्री मोदी ने सहरसा व कटिहार में रैलियों को संबोधित किया और कहा कि कांग्रेस कभी भी तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री नहीं बनने देगी

- तेजस्वी यादव ने फतुआ चुनाव रैली में अपना वादा दोहराया कि हर परिवार में से एक को सरकारी नौकरी दी जाएगी, अगर महागठबंधन ने सरकार बनाई।
- राहुल गांधी ने बेगूसराय में गंदे पानी में उतरकर मछुआरों से बात की।
- अमित शाह ने शियोहर और सीतामढ़ी में याद दिलाया कि कोसी नीची में प्रतिवर्ष आने वाली बाढ़ की रोकथाम के लिए योजना की क्रियान्विति शुरु हो गई है।
- योगी आदित्यनाथ की सभाओं में भारी भीड़ उमड़ी और उन्होंने कांग्रेस, आरजेडी की सरकारों की कानून व्यवस्था की स्थिति को लक्ष्य बनाया।
- खड़गे ने प्रश्न किया कि नरेन्द्र मोदी के ग्यारह साल और नीतीश के बीस साल के शासन में कितने रोजगार सृजित हुए।
- लालू यादव ने पटना में रोड शो किया तथा सपा नेता अखिलेश यादव ने भी महागठबंधन के समर्थन में आज प्रचार किया।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। 6 नवंबर को होने वाले पहले चरण के मतदान से एक दिन पहले बिहार की सियासत पूरी तरह गर्मा गई। राज्य भर में बड़े राजनीतिक दलों ने अपने-अपने स्टार प्रचारकों को मैदान में उतार दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहरसा और कटिहार में जनसभाओं को संबोधित करते हुए महागठबंधन को बेमेल पार्टियों का गठजोड़ बताया और कहा कि कांग्रेस कभी भी राजद के तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री नहीं बनने देगी। उन्होंने राजद पर पुराने भ्रष्टाचार के आरोपों की याद दिलाते हुए कहा, यही कारण है कि आज पार्टी के पोस्टरों में उसके पुराने नेता दिखाई नहीं देते।

दूसरी ओर, तेजस्वी यादव ने पटना के फतुहा में एक रैली को संबोधित किया और दोहराया कि अगर महागठबंधन की सरकार बनी तो हर परिवार को एक सरकारी नौकरी दी जाएगी। एक दिन पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर की सुविधाओं पर हाई कोर्ट ने निगम आयुक्तों से जवाब मांगा

जयपुर, 3 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पार्किंग, सफाई सहित शहर की अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मामले में, हैरिटेज और ग्रेटर नगर निगमों में आयुक्तों सहित अन्य जिम्मेदार अफसरों को 13 नवंबर को व्यक्तिशः पेश होने को कहा है। अदालत

- अदालत ने जेडीए तथा हाउसिंग बोर्ड से भी 13 नवम्बर तक हलफनामा पेश करने को कहा।

ने दोनों अफसरों से सड़क, पार्किंग और वेंडिंग जोन से संबंधित कार्यों से जुड़े रिकॉर्ड भी पेश करने को कहा है। अदालत ने ट्रैफिक मैनेजमेंट और पब्लिक यूटिलिटी के साथ-साथ, स्वच्छता के संबंध में गठित कमेटियों को लेकर भी जानकारी पेश करने को कहा है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने जयपुर विकास प्राधिकरण के वकील अमित कुडी को कहा है कि वे इस संबंध में जेडीए के क्षेत्राधिकार को लेकर हलफनामा पेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस व चीन के प्रधानमंत्रियों ने डॉलर मुक्त करेंसी में आपसी व्यापार करने का निर्णय लिया

मुख्य रूप से व्यापार चीनी करेंसी रेनमिन्बी में हुआ करेगा

- एक बार पहले भी यह प्रयास हुआ था तथा ब्रिक्स देश इस मुहिम में शामिल होने का मन बना रहे थे।
- पर, ट्रंप ने ब्रिक्स देशों पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की धमकी दी तथा ब्रिक्स देश पीछे हट गये थे।
- भारत भी चीन की करेंसी को डॉलर की जगह व्यापार की वैकल्पिक करेंसी स्वीकार करने को तैयार नहीं, क्योंकि चीन की सरकार अपनी करेंसी को कभी भी अपने मन के अनुसार घटा-बढ़ा देती है। इससे भारत को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है।
- रेनमिन्बी वैसे भी सौ प्रतिशत कन्वर्टिबल नहीं है। अतः अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए उपयुक्त नहीं है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की नाराज़गी के बावजूद, चीन और रूस ने अपने आपसी व्यापार में अमेरिकी डॉलर के इस्तेमाल को खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन ने एक नाटकीय बयान में कहा कि दोनों देशों के बीच डॉलर में होने वाला व्यापार "अब सांख्यिकीय त्रुटि" (स्टैटिस्टिकल एरर) जितना रह गया है।

रूस और चीन के बीच मजबूत आर्थिक संबंध बनाने के लिए रूसी प्रधानमंत्री चीन में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वे रूस और चीन के बीच जनसंपर्क और आपसी सहयोग को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

इससे पहले ट्रंप ने उन देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी थी, जो अपने अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन में डॉलर के उपयोग से दूर जाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने विशेष रूप से ब्रिक्स देशों (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) को चेतावनी दी थी, जिन्होंने गैर-डॉलर व्यापार का विचार आगे बढ़ाया था।

इस धमकी ने ब्रिक्स के बढ़ते हुए सदस्य आधार में खलबली मचा दी थी, जिसमें बाद में कई उभरती अर्थव्यवस्थाएँ भी शामिल हुईं। ट्रंप पहले ही चीन पर कई व्यापारिक शुल्क लगा चुके थे, और उनकी नई धमकी ने कई देशों को डरा दिया था।

लेकिन अब, जबकि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, चीन ने खुले तौर पर रूस के साथ रुबल और रेनमिन्बी (चीनी मुद्रा) में व्यापार करने की पेशकश कर दी है, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि ट्रंप इस खुले विरोध पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। संभव है कि हमेशा की तरह वे चुपचाप अपनी धमकी को भुला दें और यह स्वीकार कर लें कि अब अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का बड़ा हिस्सा अन्य मुद्राओं में हो रहा है।

रूस और चीन की यह पहल निश्चित रूप से दुनिया के बाकी देशों को गैर-डॉलर व्यापार से परिचित कराएगी। रूसी प्रधानमंत्री ने चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से हांगझोउ शहर में मुलाकात की, जिसे चीन के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है।

चीन की प्रशंसा करते हुए रूसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर में तेज रफ्तार डंपर ने 14 लोगों को कुचला

हरमाड़ा में लोहा मंडी कट पर नशे में धुत्त चालक ने बाइक-कार सवारों को रौंदा

- जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया, दोपहर एक बजे डंपर लोहा मंडी से रोड नम्बर 14 होते हुए हाईवे की ओर जा रहा था कि चालक ने नियंत्रण खो दिया और 500 मीटर दूरी तक एक दर्जन से अधिक वाहनों को कुचलता हुआ एक दीवार से जा टकराया। हादसे में 14 लोगों की मौत हुई व 20 से अधिक घायल हुए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 3 नवंबर। राजधानी जयपुर के हरमाड़ा इलाके में सोमवार दोपहर तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से 14 राहगीरों की मौत हो गयी, जबकि करीब 20 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। शराब के नशे में धुत्त डंपर चालक ने लोहामंडी कट पर करीब 17-18 गाड़ियों को जोरदार टक्कर मारी। हादसा इतना भयावह था कि सड़क पर ही क्षत-विक्षत शव बिखर गए और मौके पर कोहराम मच गया। सीसीटीवी फुटेज में साफ नजर आया है कि ड्राइवर डंपर को तूफानी गति से दौड़ाते हुए राहगीरों और बाइक-कार सवारों को कुचलता हुआ आगे बढ़ा। इसके बाद वह एक कार पर पलट गया। बताया जा रहा है कि घटनास्थल से करीब डेढ़ किलोमीटर पहले डंपर चालक की किसी कार सवार से कहासुनी भी हुई थी।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि डंपर सोमवार दोपहर 1 बजे लोहा मंडी से रोड नंबर-14 होते हुए हाईवे की ओर जा रहा था। उसी दौरान, अचानक चालक ने डंपर पर नियंत्रण खो दिया और करीब 500 मीटर दूरी तक एक दर्जन से अधिक वाहनों को कुचलता हुआ एक दीवार से टकरा गया। डंपर द्वारा कुचले गए वाहनों में करीब 50 लोग सवार थे, जिनमें से 14 की मौत हो गई और 20 से अधिक घायल हैं।

चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने 14 लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं, उनका एसएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा है। दो घायल सीकेएस अस्पताल में भर्ती हैं और दो घायल कांवटिया अस्पताल में हैं। गंभीर रूप से घायल लोगों के इलाज की लगातार की निगरानी जा रही है। इस हादसे में गुजरात के भी दो लोगों की मौत हुई है। गुजरात का यह परिवार एक कार में सवार था। उनमें से दो की मौत हो गई, जबकि अन्य दो घायल हैं। ये लोग कार से खाटूश्यामजी दर्शन करने जा रहे थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगस्त के बाद राजस्थान में 52 हजार कुत्तों की नसबंदी हुई

जयपुर, 3 नवंबर। आवारा कुत्तों के आमजन पर हमला करने से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान मामले में अदालती निर्देश के पालन में प्रदेश के मुख्य सचिव अदालत में पेश हुए तथा राज्य सरकार की ओर से हलफनामा पेश कर सुप्रीम

- राज्य सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा पेश किया गया।

कोर्ट को जानकारी दी गई, जिसे अदालत ने रिकॉर्ड पर ले लिया।

एएजी शर्मा ने बताया कि ग्रेटर जयपुर व जयपुर हेरिटेज नगर निगमों ने नसबंदी केन्द्र, भोजन क्षेत्र और सीसीटीवी वाले शेल्टर हाउस स्थापित किए हैं। वहीं जोधपुर नगर निगम ने सूरसागर क्षेत्र में 850 कुत्तों की क्षमता वाला शेल्टर हाउस स्थापित किया है, जहां पशु चिकित्सा सुविधाएं निरंतर उपलब्ध हैं। उदयपुर नगर निगम ने भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फलोदी के सट्टा बाज़ार के अनुसार नीतीश मुख्यमंत्री बनकर पुनः लौटेंगे

सट्टा बाज़ार के अनुसार, भाजपा 68 सीटें जीत सकती है और जदयू 54-56 सीटें प्राप्त कर सकती है

- अतः 128-134 सीटें जीतकर 240 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए गठबंधन सरकार बनाएगा।
- सटोरिओं के अनुसार, महागठबंधन को 93-99 सीटें मिल सकती हैं, जिसमें आरजेडी को 69-71 सीटें मिलने की संभावना है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवंबर। राजस्थान के जोधपुर जिले के फलोदी कस्बे के सट्टा बाजार में यह अटकलें तेज हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए बिहार विधानसभा चुनाव में वापसी कर सकती है। सट्टेबाजों के अनुसार, एनडीए को 243 सदस्यीय विधानसभा में 128 से 134 सीटें मिलने की संभावना है।

सट्टा बाजार के अनुसार, भाजपा को 66 से 68 और जनता दल (यूनाइटेड) को 54 से 56 सीटें मिल सकती हैं, जबकि दोनों पार्टियाँ 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं। सरकार बनाने के लिए कुल 122 सीटों की आवश्यकता है।

फलोदी के सटोरिए महागठबंधन को 93 से 99 सीटें दे रहे हैं, जिनमें से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को 69 से 71 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। राजद कुल 143 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है।

सट्टा बाजार में नीतीश कुमार सबसे आगे हैं। उनका रेट 40 से 45 पैसे के बीच चल रहा है, जिसका मतलब है कि उनके फिर से मुख्यमंत्री बनने की संभावना सबसे अधिक मानी जा रही है। किसी उम्मीदवार का भाव जितना कम होता है, सटोरिए उसके जीतने की संभावना को उतना ही पक्का मानते हैं। इसलिए वो उस पर ज्यादा दांव नहीं लगाते, क्योंकि कम भाव वाले उम्मीदवार पर सट्टा लगाने से कम मुनाफा होता है। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी ने नीतीश कुमार पर 45 पैसे के रेट से दांव लगाया है, तो हर 100 रुपये पर उसे 45 रुपये का लाभ होगा।

हालांकि सट्टा बाजार अवैध है, लेकिन मारवाड़ क्षेत्र का फलोदी बाजार चुनावों के साथ-साथ क्रिकेट, मौसम, शेयर बाजार की ऊँच-नीच और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय घटनाओं पर भी दांव लगाने के लिए मशहूर है। दिल्ली के पिछले विधानसभा चुनावों में भी फालोदी सट्टा बाजार ने 15 साल बाद भाजपा की जीत का अनुमान लगाया था, जब आम आदमी पार्टी सत्ता में थी।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी की पत्नी का निधन

इंदिरा देवनानी

जयपुर/अजमेर, 3 नवम्बर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष एवं अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से विधायक वासुदेव देवनानी की धर्मपत्नी इंदिरा देवनानी का सोमवार को निधन हो गया।

जानकारी के अनुसार, 74 वर्षीय इंदिरा देवनानी कुछ दिनों पहले अजमेर स्थित अपने निवास पर अचानक बेहोश

- अंतिम संस्कार कल अजमेर में होगा।

हो गई थीं। उन्हें तुरंत जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने सोमवार को अंतिम सांस ली। उनका पार्थिव शरीर जयपुर स्थित एसएमएस अस्पताल से सिविल लाइंस स्थित राजकीय निवास पर ले जाया गया। मंगलवार सुबह 6 बजे पार्थिव देह को जयपुर से अजमेर के लिए रवाना किया जाएगा। अजमेर स्थित निवास से प्रातः 10.30 बजे उनकी अंतिम यात्रा निकलेगी, जिसके बाद ऋषि घाटी श्मशान में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निवास स्थान पर पहुंचकर अपनी शोक संवेदना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छात्रसंघ चुनाव की याचिका पर सुनवाई 10 नवम्बर को

जयपुर, 3 नवंबर। राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव को लेकर दायर याचिका में राज्य सरकार ने प्रारंभिक सवाल उठाए हैं। वहीं, अदालत ने मामले में दस नवंबर तक सुनवाई टाल दी है। जस्टिस समीर जैन की

- राज्य सरकार ने याचिका पर कई प्रारंभिक सवाल उठाये।

एकलपीठ ने ये आदेश जय राव व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद अदालत में पेश हुए। उनकी ओर से याचिका दायर करने पर आपत्ति उठाते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता ने सीधे ही हाईकोर्ट में याचिका दायर की है, जबकि इसके लिए पहले डीन, स्टूडेंट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी के पटना के रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी, पटना सदा से भाजपा का गढ़ रहा है

रोड शो में नीतीश कुमार की अनुपस्थिति ने विपक्ष को भारी मौका दे दिया, एनडीए पर आक्रमण करने का

- तेजस्वी यादव, कन्हैया कुमार, आरजेडी नेता मीसा भारती आदि ने कहा, भाजपा को नीतीश की आवश्यकता नहीं है, वो केवल उनका वोट बैंक लूटना चाहते हैं।
- भाजपा बार-बार स्पष्टीकरण देती रही कि यह पहले से ही तय था कि नीतीश दो तारीख की रात को पटना नहीं आएंगे, बल्कि अपना चुनाव प्रचार कार्यक्रम अगले दिन मधेपुरा से जारी रखेंगे।
- भाजपा का यह भी कहना है कि नीतीश कुमार का रोड शो में न होना एक शैड्यूल का कारण है, कोई राजनीतिक विरोध नहीं।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। राज्य की राजधानी पटना में रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रोड शो में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की गैरमौजूदगी ने सभी को चौंका दिया है। विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग में अब केवल चार दिन बचे हैं, ऐसे में मुख्यमंत्री का इस कार्यक्रम से नदारद रहना कई सवाल खड़े कर रहा है। रोड शो में नीतीश की अनुपस्थिति से विपक्ष को भाजपा पर यह आरोप लगाने का अवसर मिल गया है कि वह मौजूदा मुख्यमंत्री के साथ राजनीतिक खेल खेल रही है।

मोदी ने भोजपुर और नवादा जिलों में लगातार दो जनसभाएँ कीं और उनके बाद पटना में एक विशाल रोड शो किया। लेकिन इन कार्यक्रमों में नीतीश कुमार की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बन गई।

पटना, जो दशकों से भाजपा का गढ़ रहा है, वहाँ प्रधानमंत्री का रोड शो भारी भीड़ को आकर्षित करने में सफल रहा। बाद में मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए पटना की जनता को उसके "प्यार और आशीर्वाद" के लिए धन्यवाद दिया।

विपक्ष ने तुरंत मुख्यमंत्री और जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार की अनुपस्थिति को मुद्दा बना लिया। प्रधानमंत्री के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और केन्द्रीय मंत्री व जदयू नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह मौजूद थे।

राजद नेता और विपक्ष की ओर से मुख्यमंत्री पद के दावेदार तेजस्वी यादव ने सोमवार को कहा कि उन्हें नीतीश कुमार की अनुपस्थिति पर कोई आश्चर्य नहीं है, उन्होंने कहा कि जाहिर है, जे डी यू का मुख्यमंत्री बनाने का भाजपा का कोई विचार नहीं है।

तेजस्वी ने मीडिया से कहा, "सबको पता है कि भाजपा नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी।"

तेजस्वी यादव पहले भी कई बार यह कह चुके हैं कि एनडीए जानबूझकर मुख्यमंत्री नीतीश को हाशिए पर डाल रहा है। उन्होंने पहले यह भी कहा था कि मुख्यमंत्री को शायद एनडीए के घोषणापत्र की "जानकारी तक नहीं है।"

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि उन्होंने और कांग्रेस पार्टी ने पहले ही भाजपा-जदयू गठबंधन में मतभेदों की ओर इशारा किया था।

कन्हैया ने कहा, "उन्होंने 2020 में चिराग पासवान के जरिए भी यही कोशिश की थी, पर योजना सफल नहीं हुई। अब वे दोबारा वही कर रहे हैं।"

कन्हैया के अनुसार, भाजपा ने बिहार में अपनी उस रणनीति में बदलाव किया है, जो उन्होंने महाराष्ट्र में शिव सेना को तोड़ने के लिए अपनाई थी।

उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र में उन्होंने पहले एकनाथ शिंदे को अपने कब्जे में लिया और फिर शिवसेना को तोड़ा। बिहार में उन्होंने जदयू को अपने कब्जे में लिया है और अब उसी के जरिए नीतीश कुमार को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। हर चीज भाजपा-जदयू खेमे की बेचैनी की ओर इशारा कर रही है। लेकिन मीडिया का ध्यान अभी भी महागठबंधन पर ही है।"

कन्हैया ने कहा कि भाजपा और जदयू के बीच मतभेदों के संकेत तो चुनाव कार्यक्रम घोषित होने से पहले ही मिलने लगे थे। उन्होंने कहा, "अमित शाह ने कहा था कि चुनाव परिणामों के बाद विधायक ही अपना नेता चुनेंगे। भाजपा और जदयू ने अभी तक सीट बंटवारे को सार्वजनिक नहीं किया है। हाल ही में प्रधानमंत्री ने कह ही दिया है कि बिहार का असली विकास तभी शुरू होगा जब एनडीए का खुद का मुख्यमंत्री होगा।"

राजद नेता मीसा भारती ने कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)